B.Ed Ist year — 1 may 2020, Friday

Growing UP AS a learner

Alfred Adler's Theory of Personality

अल्फ्रेड एडलर का व्यक्तित्व सिद्धान्त

'अल्फ्रेड एडलर' का जन्म 'सन् 1870 में वियना के एक मध्यमवर्गीय परिवार' में हुआ

चिकित्सीय उपाधि प्राप्त की → 1895 में

कार्य प्रारम्भ किया → नेत्र चिकित्सक के रूप में।

सिगमण्ड फ्रायड से भेंट → 1902

नये सम्प्रदाय व्यक्ति निष्ठ मनोविज्ञान को जन्म → 1911

प्रसिद्ध रचना → 'द प्रैक्टिस एण्ड थ्योरी ऑफ इन्डिविजुअल साइकोलॉजी'

'मैडिकल साइकोलॉजी' प्रोफेसर पद' पर नियुक्त → 1932

'हॉल और लिंडसे' ने एडलर के 'व्यक्तित्व सिद्धान्त' की व्यवस्था के सन्दर्भ में इसकी '6 मूल स्थापनाओं' का वर्णन किया है —

1 - कथात्मक अन्त / (Fictional finalism)
2 - श्रेष्ठता के लिए प्रयास / (Striving for Superiority)
3 - हीनता की भावना / क्षतिपूर्ति / Inferiority and compensation)
4 - सामाजिक रुचि / (Social intrest)
5 - जीवन शैली / (Style of life)
6 - सृजनात्मक-स्व / (Creative Self)

'लैंडफोर्ड बिम्स्कॉफ' ने 'मानव व्यवहार की व्याख्या' के लिए 'एडलर की संकल्पनाओं' / 'सिद्धान्तों का वर्णन' इस प्रकार किया है —

(1) हीनता [Inferiority]
(2) श्रेष्ठता / (Superiority)
(3) जीवन शैली (Style of life)
(4) सृजनात्मक-स्व / (Creative-Self)
(5) चेतन स्व (conscious-self)
(6) कथात्मक लक्ष्य (Fictional Goal)
(7) सामाजिक अभिरुचि / Social Interest)

B.R.C Deoband

Asis Pro - Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner